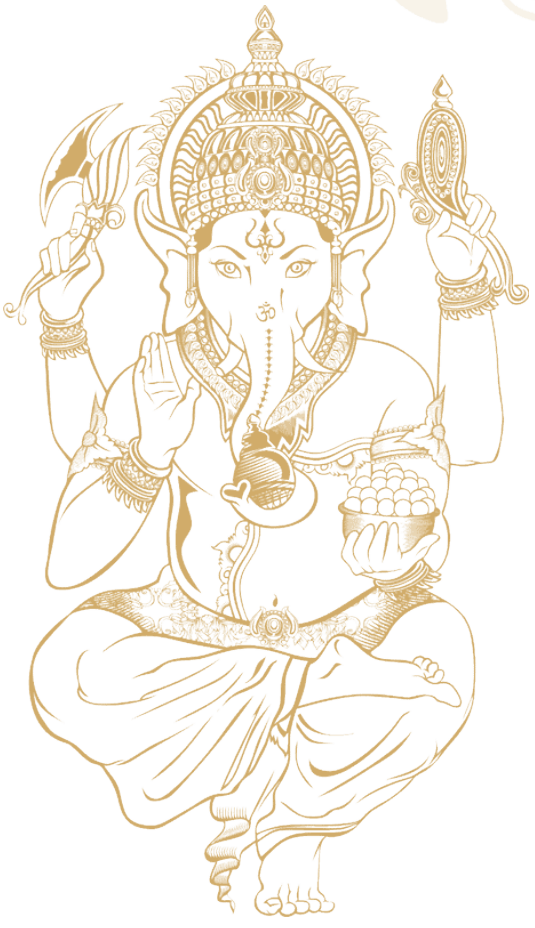

Mr.sachin chhikara

21 Oct 1981

12:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120186103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/10/1981**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:30:05 घंटे**
इष्ट	45:12:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:08:57 घंटे
वेलान्तर	00:15:10 घंटे
साम्पातिक काल	02:05:33 घंटे
सूर्योदय	06:25:03 घंटे
सूर्यास्त	17:46:38 घंटे
दिनमान	11:21:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:41:49 तुला
लग्न के अंश	15:33:21 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	15:33:21	306:59:16	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
सूर्य			तुला	03:41:49	00:59:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			कर्क	11:42:02	13:25:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			सिंह	06:13:57	00:35:08	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	28:34:57	01:05:40	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु		अ	कन्या	28:35:06	00:13:01	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	19:32:45	01:05:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			कन्या	21:01:15	00:07:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	03:39:35	00:00:13	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:39:35	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	04:49:23	00:03:18	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	29:05:13	00:01:28	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	00:47:41	00:02:24	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			मेष	10:01:14	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:54

लग्न-चलित

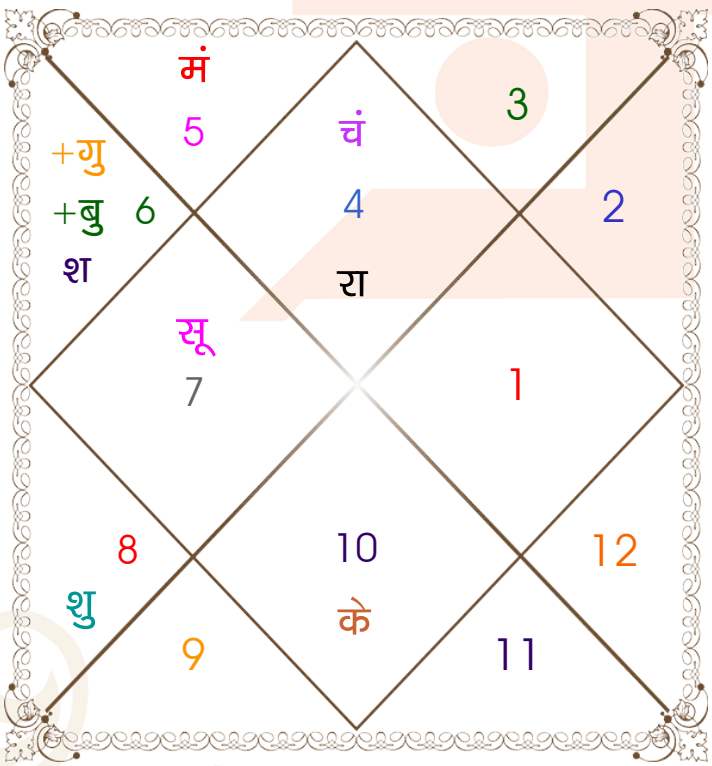

चन्द्र कुंडली

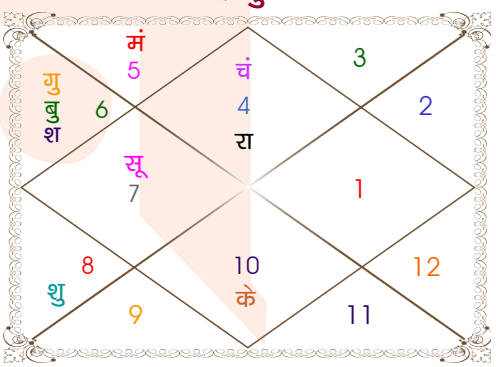

नवमांश कुंडली

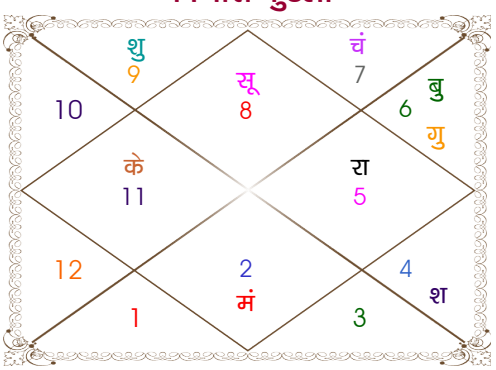

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 0 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/10/1981		17/11/1988		18/11/2005		17/11/2012		17/11/2032	
17/11/1988		18/11/2005		17/11/2012		17/11/2032		18/11/2038	
	00/00/0000	बुध	16/04/1991	केतु	16/04/2006	शुक्र	19/03/2016	सूर्य	07/03/2033
	00/00/0000	केतु	12/04/1992	शुक्र	16/06/2007	सूर्य	19/03/2017	चंद्र	06/09/2033
	00/00/0000	शुक्र	11/02/1995	सूर्य	22/10/2007	चंद्र	18/11/2018	मंगल	11/01/2034
	00/00/0000	सूर्य	18/12/1995	चंद्र	22/05/2008	मंगल	18/01/2020	राहु	06/12/2034
	21/10/1981	चंद्र	19/05/1997	मंगल	18/10/2008	राहु	18/01/2023	गुरु	24/09/2035
चंद्र	22/05/1982	मंगल	16/05/1998	राहु	05/11/2009	गुरु	18/09/2025	शनि	05/09/2036
मंगल	01/07/1983	राहु	03/12/2000	गुरु	12/10/2010	शनि	17/11/2028	बुध	13/07/2037
राहु	07/05/1986	गुरु	10/03/2003	शनि	21/11/2011	बुध	18/09/2031	केतु	18/11/2037
गुरु	17/11/1988	शनि	18/11/2005	बुध	17/11/2012	केतु	17/11/2032	शुक्र	18/11/2038

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/11/2038		17/11/2048		18/11/2055		18/11/2073		18/11/2089	
17/11/2048		18/11/2055		18/11/2073		18/11/2089		00/00/0000	
चंद्र	18/09/2039	मंगल	15/04/2049	राहु	31/07/2058	गुरु	06/01/2076	शनि	20/11/2092
मंगल	18/04/2040	राहु	04/05/2050	गुरु	24/12/2060	शनि	19/07/2078	बुध	31/07/2095
राहु	18/10/2041	गुरु	10/04/2051	शनि	31/10/2063	बुध	24/10/2080	केतु	08/09/2096
गुरु	17/02/2043	शनि	19/05/2052	बुध	19/05/2066	केतु	30/09/2081	शुक्र	09/11/2099
शनि	17/09/2044	बुध	16/05/2053	केतु	07/06/2067	शुक्र	31/05/2084	सूर्य	22/10/2100
बुध	17/02/2046	केतु	12/10/2053	शुक्र	06/06/2070	सूर्य	19/03/2085	चंद्र	22/10/2101
केतु	18/09/2046	शुक्र	12/12/2054	सूर्य	01/05/2071	चंद्र	19/07/2086		00/00/0000
शुक्र	19/05/2048	सूर्य	19/04/2055	चंद्र	30/10/2072	मंगल	25/06/2087		00/00/0000
सूर्य	17/11/2048	चंद्र	18/11/2055	मंगल	18/11/2073	राहु	18/11/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 1 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चितता पूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।